Vedic Savitri Gayatri Mantra

गायत्री मन्त्र (सावित्री मन्त्र — ऋग्वेद ३.६२.१०)

परम्परा: वैदिक सनातन | संस्करण: सत्संग एवं स्वाध्याय पत्र (ए-४ प्रारूप) (vA4.1) | प्रमाणित R1 पाठ

सत्संग एवं स्वाध्याय निर्देश (STUDY & PRACTICE GUIDELINES)

नियम: शुद्ध आसन, पूर्व अथवा उत्तर दिशाभिमुख होकर एकाग्र चित्त से पठन करें।

उच्चारण: मूल देवनागरी अक्षरों और हलन्त/विसर्ग का स्पष्ट व शुद्ध उच्चारण करें।

अनुसंधान: प्रत्येक श्लोक/छंद के साथ दिए गए सरल अर्थ का मनन करते हुए पाठ करें।

गायत्री मन्त्र (सावित्री मन्त्र — ऋग्वेद ३.६२.१०)

पद / छंद #1 • Mantra — निचृद् गायत्री (Nicrid Gayatri)

तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि । धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

tat savitur vareṇyaṃ bhargo devasya dhīmahi | dhiyo yo naḥ pracodayāt ||

सरल हिन्दी भावार्थ

हम उस परम प्रकाशस्वरूप, सृष्टिकर्ता सविता देव (परमात्मा) के सर्वश्रेष्ठ एवं पापनाशक तेज का ध्यान करते हैं, जो हमारी बुद्धियों (विचार शक्तियों) को सत्य और धर्म के मार्ग पर प्रेरित करें।

SIMPLE ENGLISH MEANING

We meditate upon that supreme, most adorable radiance of the divine Savitr (the Creator and Illuminator of the cosmos), who may inspire, illuminate, and guide our intellects toward truth and righteousness.

पद / छंद #2 • Mantra — सप्रणव गायत्री (Sapranava Gayatri)

ॐ भूर्भुवः स्वः । तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि । धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

oṃ bhūr bhuvaḥ svaḥ | tat savitur vareṇyaṃ bhargo devasya dhīmahi | dhiyo yo naḥ pracodayāt ||

सरल हिन्दी भावार्थ

ॐ (परम ब्रह्म) जो भूः (पृथ्वी लोक/प्राणस्वरूप), भुवः (अंतरिक्ष लोक/दुःखनाशक) और स्वः (द्यौः लोक/आनंदस्वरूप) में सर्वत्र व्याप्त हैं। हम उन सविता देव के श्रेष्ठ तेज का ध्यान करते हैं, जो हमारी बुद्धियों को सन्मार्ग में प्रेरित करें।

SIMPLE ENGLISH MEANING

Om, who pervades the physical realm (Bhur), the subtle vital realm (Bhuvah), and the celestial realm of pure consciousness (Svah). We meditate upon the supreme radiance of that Divine Creator, who may guide our intellects.

श्री अविगत अखाड़ा • प्रामाणिक डिजिटल प्रकाशन

पाठ स्रोत: अविगत अखाड़ा मूल संहिता (अपरिवर्तनीय R1 डेटाबेस) • डिजिटल प्रकाशन पंजीयन: PB-GM-A4-01

सत्यापन हैश (SHA-256): PENDING

अधिकार एवं उपयोग: यह पत्रक केवल व्यक्तिगत स्वाध्याय, पूजा एवं सत्संग के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। किसी भी व्यावसायिक उपयोग हेतु अनुमति निषिद्ध है। © 2026 अविगत अखाड़ा ट्रस्ट। सर्वाधिकार सुरक्षित।

मूल डिजिटल पाठ हेतु स्कैन करें